राष्ट्रीय आय - अर्थ एवं अवधारणायें [NATIONAL INCOME]

राष्ट्रीय आय की अवधारणा (CONCEPT OF NATIONAL INCOME)

किसी देश में एक वर्ष में जिन वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन किया जाता है, उनका कुल मूल्य ही उस देश की राष्ट्रीय आय है।

- *राष्ट्रीय आय की धारणा समष्टि अवधारणा है क्योंकि इसके अन्तर्गत देश की समग्र आय की माप की जाती है।*
- *किसी भी देश की राष्ट्रीय आय उसकी आर्थिक स्थिति का सबसे महत्वपूर्ण सूचक है।*
- *एक देश के आर्थिक विकास को राष्ट्रीय आय के माध्यम से ही मापा जाता है।*
- *राष्ट्रीय आय के लिए राष्ट्रीय लाभांश (National Dividend) एवं राष्ट्रीय उत्पाद (National Product) जैसे शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है।*

सकल घरेलू उत्पाद की अवधारणा (CONCEPT OF GROSS DOMESTIC PRODUCT-GDP)

किसी देश की घरेलू सीमा में एक लेखा वर्ष में सभी उत्पादकों (सामान्य निवासियों तथा गैर-निवासियों) द्वारा जितनी भी अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन होता है उसका कुल मूल्य ही उस देश का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) कहलाता है।

- एक देश के सामान्य निवासी से अभिप्राय उस व्यक्ति या संस्था से है, जो उस देश में सामान्यतः रहता है या स्थित है तथा जिसकी आर्थिक रुचि उस देश में केन्द्रित है।
- यहाँ **"सामान्यतः रहता है"** से अभिप्राय यह है कि *वह व्यक्ति उस देश को छोड़कर एक वर्ष से अधिक समय के लिए विदेशों में नहीं रह रहा है।*
- *यदि कोई व्यक्ति एक वर्ष से अधिक समय के लिए किसी अन्य देश में रहता है तो वह उस देश का सामान्य निवासी कहलाता है जहाँ वह रह रहा है।*

यदि कोई भारतीय व्यक्ति एक वर्ष से अधिक समय के लिए अमेरिका में रह रहा है तो वह भारत का नागरिक तो बना रहेगा, परन्तु वह भारत का सामान्य निवासी नहीं कहलाएगा। वह भारत का गैर-निवासी (NRI) कहलाएगा।

घरेलू बनाम राष्ट्रीय धारणाएँ (Domestic Versus National Concepts)

घरेलू उत्पाद या आय की धारणा का सम्बन्ध किसी देश की घरेलू सीमा में सभी उत्पादकों (सामान्य निवासियों तथा गैर-निवासियों) द्वारा उत्पादित उत्पादन से है।

राष्ट्रीय उत्पाद या आय की धारणा का सम्बन्ध किसी देश के सभी सामान्य निवासियों द्वारा देश की घरेलू सीमा तथा शेष विश्व में किए गए उत्पादन से है।

यदि घरेलू उत्पाद या आय की गणना में विदेशों से शुद्ध साधन आय (Net Factor Income from Abroad) को जोड़ दिया जाए तो राष्ट्रीय उत्पाद या आय का अनुमान लगाया जा सकता है अर्थात्

राष्ट्रीय उत्पाद या आय = घरेलू उत्पाद या आय + विदेशों से शुद्ध साधन आय

विदेशों से शुद्ध साधन आय (Net Factor Income From Abroad)

विदेशों से शुद्ध साधन आय से अभिप्राय एक देश के सामान्य निवासियों द्वारा शेष विश्व को प्रदान की गई साधन सेवाओं के बदले में प्राप्त आय तथा एक देश के बाहर विदेशी या गैर-निवासियों द्वारा उस देश को प्रदान की गई साधन सेवाओं के बदले में भुगतान की गई राशि के अन्तर से है।

विदेशों से शुद्ध साधन आय = सामान्य निवासियों द्वारा शेष विश्व से प्राप्त साधन आय – गैर-निवासियों द्वारा उस देश से प्राप्त साधन आय

बाजार कीमत बनाम साधन लागत अवधारणाएँ (Market Price Versus Factor cost concepts)

'बाजार कीमत' की अवधारणा व्यय दृष्टिकोण पर आधारित है, जबकि 'साधन लागत' की अवधारणा आय दृष्टिकोण पर आधारित है।

किसी वस्तु या सेवा को खरीदने के लिए जो कुल कीमत देनी पड़ती है वह बाजार कीमत का धारणा है। इसमें वस्तु की बाजार कीमत तथा अप्रत्यक्ष करों और आर्थिक सहायता का अन्तर (शुद्ध अप्रत्यक्ष कर) शामिल होता है।

साधन लागत की धारणा में अप्रत्यक्ष करों तथा आर्थिक सहायता का अन्तर (शुद्ध अप्रत्यक्ष कर) शामिल नहीं किया जाता।

राष्ट्रीय आय की परिभाषाएँ (DEFINITIONS OF NATIONAL INCOME)

किसी विशेष समय में अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल प्रवाह का मौद्रिक माप राष्ट्रीय आय है।

स्टोन (Stone) का कहना है कि *राष्ट्रीय आय किसी देश के निवासियों की उसी आय का योग है जो उन्हें उत्पादन के विभिन्न कारकों की सेवाओं के लिए प्रदान की जाती है, जैसे—मजदूरी, वेतन, लाभ, ब्याज, तथा लगान के रूप में प्राप्त होती है।* राष्ट्रीय आय के विवेचन में उत्पादन तथा प्राप्त आय के अन्तर का अत्यन्त महत्व है।

"राष्ट्रीय आय किसी देश के निवासियों या सामान्य निवासियों की वह आय है जो उन्हें विश्व उत्पादन में हिस्सा लेने के कारण प्राप्त होती है।"

राष्ट्रीय आय में उन आयों को शामिल किया जाता है जो चाहे व्यक्तियों को मजदूरी, लाभांश, ब्याज, आदि के रूप में मिलती हैं या निजी व्यवसाय में अतिरिक्त आय के रूप में रखी जाती हैं या सरकारी संस्थाओं को उनकी व्यावसायिक क्रियाओं के प्रतिफल के रूप में मिलती हैं। परन्तु किसी आय को शामिल नहीं किया जाता, जैसे—उपहार, दान, या लॉटरी, जो उत्पादन क्रिया से नहीं बल्कि संयोग से प्राप्त होती है।

सकल घरेलू उत्पाद (GROSS DOMESTIC PRODUCT)

किसी देश में वस्तुओं तथा सेवाओं की कुल उत्पादन की सम्पूर्ण मौद्रिक मूल्य को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) है। यह किसी दिये हुए वर्ष में किसी देश के अन्तर्गत अंतिम उपभोग, विनियोजन, सरकारी वस्तुओं तथा सेवाओं के व्यय, तथा शुद्ध निर्यात (निर्यात—आयात) के मौद्रिक कीमत का योग है।

GDP की उपयुक्त परिभाषा से स्पष्ट है कि GDP को समझने या मापने की निम्न दो विधियाँ हैं :

(1) GDP : वस्तु-प्रवाह (Goods-flow) या आय-आधारित (Income Based)

(2) GDP : आय-प्रवाह (Earnings-flow) या व्यय-आधारित (Expenditure Based)

व्यय-आधारित GDP के माप के लिए किसी वर्ष में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं (final output) की खरीद के लिए सभी प्रकार के किए गए व्यय को जोड़ा जाता है।

$$\text{GDP} = \text{कुल व्यय} = C + I + G + (X - M)$$

जहाँ

C = उपभोग व्यय, I = निवेश व्यय, G = सरकार का व्यय, X = निर्यात तथा M = आयात।

विभिन्न लेखकों के अनुसार व्यय-आधारित GDP वस्तुओं और सेवाओं के चालू उत्पादन पर उपभोग, विनियोजन, सरकार तथा शुद्ध निर्यात व्यय का योग है।

राष्ट्रीय आय से सम्बन्धित समष्टियाँ या अवधारणाएँ

1. कुल या सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GROSS NATIONAL PRODUCT)

किसी देश का कुल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) एक वर्ष की अवधि में उस देश के उत्पादन के आधार पर, बाजार मूल्य पर, उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक माप है।

अथवा कुल राष्ट्रीय उत्पाद मजदूरी, लाभ, लगान, ब्याज, इत्यादि के रूप में प्राप्त की गई आय का योग होता है।

GNPmp & GNPfc

सकल राष्ट्रीय उत्पाद की गणना करते समय निम्न बिन्दुओं पर ध्यान देना आवश्यक है :

(i) कुल राष्ट्रीय उत्पाद में मूल्य ह्रास नहीं घटाया जाता
(ii) GNP में केवल चालू वर्ष के उत्पादन को शामिल किया जाता है
(iii) GNP का मूल्य मुद्रा में व्यक्त किया जाता है
(iv) कीमतों में उतार-चढ़ाव के समायोजन हेतु आधार वर्ष की गणना
(v) GNP में अंतिम उत्पादन की ही गणना की जाती है
(vi) GNP में हस्तान्तरण भुगतानों को शामिल नहीं किया जाता
(vii) नि:शुल्क प्रदत्त सेवाओं को GNP में शामिल नहीं किया जाता
(viii) गैर-कानूनी तरीकों से प्राप्त आय को GNP में शामिल नहीं किया जाता

2. सकल या कुल घरेलू उत्पाद (GROSS DOMESTIC PRODUCT)

किसी देश में एक वर्ष की अवधि में जिन वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन किया जाता है, उनके मौद्रिक मूल्य को ही कुल घरेलू उत्पाद कहते हैं।

उल्लेखनीय है कि इस मौद्रिक मूल्य में उस आय को घटा दिया जाता है जो देश में विदेशियों द्वारा अर्जित की जाती है तथा इसमें विदेशों से प्राप्त को जोड़ दिया जाता है।

इसे इस रूप में निम्न ढंग से व्यक्त किया जा सकता है :

GDP = GNP – NFIA

जिस अर्थव्यवस्था में आयात और निर्यात नहीं होते (बन्द अर्थव्यवस्था), वहाँ कुल घरेलू उत्पाद, कुल राष्ट्रीय उत्पाद के बराबर होता है।

3. शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NET NATIONAL PRODUCT OR NNP)

बाजार मूल्य पर कुल राष्ट्रीय उत्पाद से स्थिर पूंजी के उपभोग को घटा दिया जाए तो जो शेष बचेगा, उसे बाजार मूल्य पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद कहेंगे, क्योंकि उत्पादन की गणना चालू कीमतों के आधार पर की जाती है।

इस प्रकार,

बाजार मूल्य पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद = बाजार मूल्य पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद – स्थिर पूंजी का उपभोग (प्रतिस्थापन व्यय)

शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद की संक्षिप्त परिभाषा इस प्रकार है, *"एक देश में एक वर्ष की अवधि में चालू कीमतों पर उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का शुद्ध मौद्रिक मूल्य ही बाजार मूल्य पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद है।"*

उदाहरण— यदि किसी देश में एक वर्ष की अवधि में बाजार कीमतों पर GNP के रूप में मौद्रिक मूल्य 60,000 ₹ है तथा प्रतिस्थापन व्यय अथवा स्थिर पूंजी का उपभोग 6,000 ₹ प्रति वर्ष है तो NNP की गणना इस प्रकार होगी :

NNP = 60,000 – 6,000 = 54,000

4. शुद्ध घरेलू उत्पाद (NET DOMESTIC PRODUCT)

एक देश में एक वर्ष की अवधि में देश के भीतर उत्पादकों द्वारा उत्पादित की गई वस्तुओं और सेवाओं के कुल मौद्रिक मूल्य में से यदि मूल्यह्रास व्यय अथवा प्रतिस्थापन व्यय घटा दिया जाए तो जो शेष बचता है, उसे शुद्ध घरेलू उत्पाद कहते हैं।

शुद्ध घरेलू उत्पाद = कुल घरेलू उत्पाद – प्रतिस्थापन व्यय

शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद तथा शुद्ध घरेलू उत्पाद में सम्बन्ध (Relationship between NNP and NDP)

उपयुक्त विवेचन के आधार पर NNP तथा NDP में सम्बन्ध व्यक्त किया जा सकता है कि शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद प्राप्त करने के लिए सकल राष्ट्रीय उत्पाद में से प्रतिस्थापन व्यय को घटाया जाता है, किन्तु शुद्ध घरेलू उत्पाद प्राप्त करने के लिए सकल घरेलू उत्पाद में से प्रतिस्थापन व्यय घटाया जाता है। इसके अतिरिक्त, सकल राष्ट्रीय उत्पाद में आयात-निर्यात का अन्तर भी जोड़ा जाता है। इसे निम्न प्रकार व्यक्त किया जा सकता है :

NNP = NDP + आयात-निर्यात अन्तर (NFIA)

अथवा

NNP = NDP + E – I

उदाहरण:

बाजार कीमत पर कुल राष्ट्रीय उत्पाद तथा साधन लागत पर कुल राष्ट्रीय उत्पाद

बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद तथा साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद

बाजार कीमत पर कुल सकल घरेलू उत्पाद तथा साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद

बाजार कीमत पर शुद्ध सकल घरेलू उत्पाद तथा साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद

व्यक्तिगत आय (PERSONAL INCOME)

एक देश के लोगों द्वारा जो आय एक वर्ष की अवधि में प्राप्त की जाती है, उसे व्यक्तिगत आय कहते हैं। यहाँ ध्यान में रखना चाहिए कि व्यक्तिगत आय एवं राष्ट्रीय आय में समानता नहीं होती, क्योंकि जो हस्तान्तरण आय, व्यक्तिगत आय में शामिल होती है, वह राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं होती।

उदाहरण के लिए, पेंशन, बेरोजगारी भत्ता, आदि व्यक्तिगत आय में शामिल होते हैं, किन्तु कंपनी आय कर, सामाजिक सुरक्षा अंशदान तथा कंपनियों का अवितरित लाभ व्यक्तिगत आय में शामिल नहीं किया जाता।

व्यक्तिगत आय को निम्न समीकरण से समझा जा सकता है :

व्यक्तिगत आय = शुद्ध राष्ट्रीय आय + हस्तान्तरण आय – अवितरित कंपनी लाभ – कंपनी आय कर – सामाजिक सुरक्षा अंशदान

व्यय योग्य आय (DISPOSABLE INCOME)

व्यक्तियों एवं परिवार द्वारा उपभोग में व्यय की जा सकने वाली आय को व्यय योग्य आय कहते हैं। सम्पूर्ण व्यक्तिगत आय, व्यय योग्य आय नहीं होती। इसमें से प्रत्यक्ष कर निकालने के बाद ही व्यय योग्य आय बचती है।

अर्थात् व्यय योग्य आय (Yd) = व्यक्तिगत आय (Yp) – प्रत्यक्ष कर (Td)। किन्तु यह पूरी आय उपभोग पर व्यय नहीं की जाती, इसका कुछ भाग बचत (Saving) के रूप में चला जाता है।

अतः कहा जा सकता है कि **व्यय योग्य आय = उपभोग व्यय + बचत।**

यदि हम राष्ट्रीय आय में से व्यय योग्य आय ज्ञात करना चाहते हैं तो निम्न समीकरण का प्रयोग किया जाएगा :

व्यय योग्य आय = राष्ट्रीय आय – (व्यक्तिगत कर – अन्य कर + सामाजिक सुरक्षा अंशदान) + हस्तान्तरण भुगतान

यहाँ व्यक्तिगत आय में यह स्पष्ट किया गया है कि हस्तान्तरण भुगतान, व्यक्तिगत आय में शामिल होते हैं।

प्रति व्यक्ति आय (PER CAPITA INCOME)

एक देश में किसी विशेष वर्ष में वहाँ के लोगों की औसत आय ही उस वर्ष की प्रति व्यक्ति आय होती है।

यदि किसी एक वर्ष की राष्ट्रीय आय में, उस वर्ष की जनसंख्या का भाग दे दिया जाए तो प्रति व्यक्ति आय ज्ञात की जा सकती है,

अर्थात्

2016 की प्रति व्यक्ति आय = 2016 की राष्ट्रीय आय / 2016 की जनसंख्या

चूँकि जनगणना प्रत्येक वर्ष नहीं होती अतः जनसंख्या का ज्ञान करने के लिए जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्ति को जानकारी करने के लिए जनसंख्या ज्ञात की जाती है तथा प्रति व्यक्ति आय निकाली जाती है।

किसी देश की आर्थिक स्थिति का ज्ञान राष्ट्रीय आय से हो सकता है, किन्तु यदि देश की जनसंख्या अधिक है तो प्रति व्यक्ति आय कम होगी। साथ ही यदि जनसंख्या की बढ़ने की प्रवृत्ति, राष्ट्रीय आय की बढ़ने की दर से अधिक है तो प्रति व्यक्ति आय घट जाएगी।

मौद्रिक राष्ट्रीय आय या चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय (Nominal National Income or National Income at Current Prices)

राष्ट्रीय आय की गणना करते समय उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं को उनकी कीमतों से गुणा किया जाता है। अतः, राष्ट्रीय आय (N.I.) = कीमत × वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा।

यदि राष्ट्रीय आय की मात्रा को चालू कीमतों से गुणा कर दिया जाता है तो उसे चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय कहा जाता है।

चालू कीमतों के अनुसार मापी गई राष्ट्रीय आय को मौद्रिक राष्ट्रीय आय (Nominal National Income) या चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय कहा जाता है।

मौद्रिक राष्ट्रीय आय या चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय किसी देश के सामान्य निवासियों (normal residents) द्वारा एक वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं के चालू मूल्यों का योग है।

वास्तविक राष्ट्रीय आय या स्थिर कीमतों पर राष्ट्रीय आय (Real National Income or National Income at Constant Prices)

एक देश की वास्तविक आर्थिक प्रगति का अनुमान लगाने के लिए विभिन्न वर्षों की राष्ट्रीय आय को एक निश्चित वर्ष के आधार पर मापा जाना चाहिए क्योंकि आर्थिक प्रगति वस्तुओं तथा सेवाओं की मात्रा में होने वाली वृद्धि पर निर्भर करती है। इस निश्चित वर्ष को आधार वर्ष कहा जाता है।

आधार वर्ष की कीमतों पर मापी गई राष्ट्रीय आय को स्थिर कीमतों पर राष्ट्रीय आय कहा जाता है। कीमतों के परिवर्तन से वास्तविक आय में होने वाले परिवर्तन केवल वस्तुओं एवं सेवाओं के भौतिक परिवर्तन पर निर्भर होंगे।

परिभाषा (Definition)—वास्तविक राष्ट्रीय आय या स्थिर कीमतों पर राष्ट्रीय आय किसी देश के सामान्य निवासियों द्वारा एक वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के स्थिर मूल्यों का योग है।

वास्तविक आय या स्थिर कीमतों पर राष्ट्रीय आय का अनुमान कीमत सूचकांक (Price Index Number) की सहायता से किया जा सकता है।

वास्तविक आय या स्थिर कीमतों पर राष्ट्रीय आय

= (चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय / चालू वर्ष का सूचकांक) × 100